

प्रपत्र (ओ)

मंदिरांगन ६ (३२५) २८० अ० ६०

ला० २८० १००५०

चूंकि इसके माय संलग्न अनुसूची में समाविष्ट वन-भूमि तथा बंजर-भूमि ने प्रथमा उस पर सरकार के और प्राइवेट शक्तियों के भविकारों के प्रकार तथा सीमा की जांच और उनका अभिलेखन राजस्थान भविनियम, १९५३ (१९५३ का राजस्थान भविनियम संख्या १३) को घारा २६ की उप-धारा (३) के अधीन जारी की गई विज्ञि के अनुसरण में किया जा चुका है।

अब इस्पृष्ठ के भविनियम की घारा २६ की उप-धारा (३) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, राज्य सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि कवित भविनियम के अध्याय ४ के अनुबन्ध, पूर्वोक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि पर लागू होंगे जो कि एतत्प्रकार रक्षित वन कहलाया जावेगा।

राज्यपाल की आज्ञा से,
३/१शासन सचिव
राज्यपाल
राजस्थान, राज्यपुर

भूमि का विवरण

जिला	तहसील	वन-खण्ड	मोजा	अनुमानित लेत्रफल (एकड़ों में)	विशेष विवरण
१	२	३	४	५	६

माजमेर	किशनगढ़	टोंकड़ा	टोंकड़ा	६२४ $\frac{१५}{५०}$ एकड़.	सीमा विवरण परिक्षिष्ट (अ) संलग्न है
			सांखत सर	६३१ $\frac{१५}{२५}$ "	
			मोडपालास	१०९ $\frac{८}{२५}$	
			फलोड़ा	११० $\frac{१०}{२५}$	
			झोंग	१५४६ $\frac{४१}{५०}$ एकड़.	

*True Copy
Signature*

२१ अप्रैल २०२३ अग १०२८

दिनां ३०.३.६१ में पुकारित हुआ

S/No
A.F.S.O.
Jaipur

Compared with Original

रा० मु० च० ४०६-७-६८-५००० का०

QY
(अजय चित्तोङ्ग)
उप वन संरक्षक

TRUE COPY
१०२८ अप्रैल २०२३
सहायक वन विभाग भविकारी
बयपुर (राजस्थान)